डॉ० संजीव कुमार

प्रश्न :- विश्व को सुमेर सभ्यता की क्या देन है?

उत्तर :- विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में सुमेर की सभ्यता का महत्वपूर्ण स्थान है। बहुत अंशों में यह अन्य सभ्यता, मानव सभ्यता के विकास के अग्रदूत थी। इसी के आधार पर आगे चलकर अनेक सभ्यताओं का विकास हुआ। अतः विश्व को इस सभ्यता की निम्न-लिखित देन है :-

(i) सुमेर के लोगों ने कीलाकार लिपि का अविष्कार किया। इस लिपि को ही "हित्ताइट" और "ईरान" वालों ने ग्रहण किया।

(ii) उन्होंने धार्मिक आख्यानों को जन्म देकर साहित्य-सृजन की नई परंपरा शुरू की। बौद्धिक विकास के लिए उन्होंने पुस्तकालय तथा पाठशालाओं की स्थापना की।

(iii) कला के क्षेत्र में विशाल जिग्गुरातों और महलों का निर्माण, स्तंभों तथा मेहराबों का प्रयोग, कलात्मक मुद्राओं और सुन्दर आभूषणों का ~~निम~~ निर्माण उनकी महत्वपूर्ण देन है।

(iv) सुमेर के लोगों की एक महत्वपूर्ण देन है विज्ञान, कला और धर्म के बीच घनिष्ठ संबंध की स्थापना। जिग्गुरात के निर्माण से यह तथ्य स्पष्ट होता है। बोरसिया के जिग्गुरात में सात मंजिलें थी। इसे सप्तग्रहों की अवधारणाओं का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। इसकी सात मंजिलों में प्रत्येक एक-एक ग्रह को समर्पित थी। ग्रहों के रंग से मिलता-जुलता उनका रंग था। सबसे निचली मंजिल का रंग काला था। यह शनिदेव का रंग था। दूसरी मंजिल का रंग पिला था। यह शुक्र का रंग था। तीसरी मंजिल का रंग बैंगनी था। यह बृहस्पति का रंग था। चौथी मंजिल का नीला बुद्ध का रंग था। पाँचवी मंजिल का रंग लाल था। यह मंगल ग्रह का सूचक था। छठी मंजिल का रंग श्वेत था। यह चन्द्रमा का सूचक था। सातवीं का रंग सुनहरा था।

Scanned with CamScanner

यह सूर्य ग्रह का प्रतिनिधित्व करता था।

(v) प्रथम संगठित साम्राज्य का अवशेष सुमेर में ही प्राप्त हुआ है। सुमेर के निवासियों ने कुलीनतंत्रीय संस्थाओं की स्थापना के साथ ही, साम्राज्य की स्थापना का भी स्वप्न देखा, और उसे ~~कार्यान्वित~~ कार्यान्वित किया। इस तरह भावी विजेताओं के सामने एक आदर्श रखा।

(vi) व्यापार में साख पत्र या हुण्डी का उपयोग सर्व प्रथम सुमेर में ही हुआ। सबसे प्राचीन व्यापारिक सड़क और सबसे प्राचीन कर-व्यवस्था का उदाहरण सुमेर में ही मिलता है।

(vii) वर्ग विभेद, दास प्रथा, निरंकुशता, साम्राज्यवाद, युद्ध, समाज में पुरोहितों का अनुचित प्रभाव आदि चीजें, जो ~~सभ्यता~~ सभ्यता का अभिशाप है, भी सुमेर में ही मिलती है।